संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs

03rd March, 2025

DO No. 09/News Letter/CH(IC)/2025

Dear Colleague,

The Board has taken note of representations highlighting that some Authorized Couriers are insisting on documents beyond those prescribed in the Board's circulars for Know Your Customer (KYC) compliance – particularly in the case of individual importers/ exporters. To ease compliance for individuals importing documents, gifts, samples, or low-value dutiable consignments (with CIF value up to ₹50,000), the Board has clarified that in cases where the delivery address differs from the proof of identity provided for KYC, recording the delivery address at the time of delivery by the courier companies would suffice as proof of address. All field formations have been advised to sensitise Authorized Couriers under their jurisdiction to strictly adhere to the KYC provisions as laid down in the relevant circulars to ensure smooth and hassle-free clearance for individuals.

Last week, a three-day India-UNODA Capacity Building Programme on UNSCR 1540 & Strategic Trade Controls was held at NACIN, Palasamudram. This first-of-its-kind programme, jointly organised by the Ministry of External Affairs, the United Nations Office for Disarmament Affairs (UNODA), Geneva, and NACIN, saw participation from representatives of eight Asia-Pacific countries. The programme reaffirms India's strong commitment to the international non-proliferation architecture and highlights the increasing role of NACIN in forging international partnerships and capacity building on critical global issues.

Mumbai Customs Zone III continues its relentless crackdown on drug trafficking with a significant seizure at CSMI Airport, Mumbai. Acting on

North Block, New Delhi - 110 001 Tel. : +91-11-23092849, 23092890 E-mail : sanjayk.agarwal@gov.in

intelligence, officers intercepted a passenger arriving from Entebbe, Uganda. Upon questioning, the suspect exhibited signs of nervousness and later admitted to ingesting drug-filled capsules. Under medical supervision, a total of 84 capsules containing 1.022 kg of cocaine—valued at approximately Rs. 10 crore—were recovered over three days. In another case, five passengers arriving from Bangkok were apprehended based on passenger profiling and intelligence inputs. During the operation, a total of 56.26 kg of Hydroponic Weed (Cannabis), having an estimated illicit market value of about Rs. 56 crore, was recovered, ingeniously concealed within the trolley bags carried by the passengers. Wonderful effort in countering the menace of drug smuggling!

The officers of DRI Gandhidham Regional Unit, unearthed a case of massive overvaluation and Trade Based Money Laundering (TBML) involving a consignment declared as "*Readymade Garments Shawls*" imported at Mundra Port from Thailand. Acting on specific intelligence, DRI officers intercepted the consignment filed under a warehousing Bill of Entry intended for re-export to a third country. Upon examination, the goods were found to be low-quality women's stoles and scarves with an actual value of only Rs. 32.27 lakhs, drastically lower than the declared value of Rs. 38.17 crore. Subsequent searches revealed that the importing firm had no genuine business operations and was being used as a front to channel funds out of India. The modus operandi involved importing low-value goods at highly inflated prices in collusion with overseas suppliers, filing warehousing Bills of Entry to avoid duty payments, and subsequently re-exporting the goods with no actual receipt of foreign exchange. Excellent case!

Last month saw the superannuation of a few senior officers of CBIC at the (Pr.) Chief Commissioner/ Director General level — Ms. B.V. Sivanaga Kumari, Dr. Balbir Singh Khattra, Shri Manoj Kumar Srivastava and Shri M. Mathew Jolly. The Board deeply appreciates their invaluable contributions to the department and wishes them good health, happiness, and a fulfilling retired life. In addition, Shri Satendra Vikram Singh has opted for voluntary retirement and has been appointed as Technical Member of the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT). The Board

congratulates him on this well-deserved appointment and extends best wishes for a successful and enriching tenure in his new role.

It is with a heavy heart that I convey the untimely demise of Shri Mahender Ranga, Principal Chief Commissioner of Jaipur Zone. Shri Ranga was a bold, much-loved officer known for his frankness, warmth, and lively personality, leaving an indelible mark on all those who had the privilege of working with him. His sudden departure is an immense loss to the department and to the countless colleagues and friends whose lives he touched. In this difficult time, the department stands in solidarity with his family and friends, offering them strength and comfort. May his noble soul rest in eternal peace. *Om Shanti.*

Until next week!

Yours sincerely,

(Sanjay Kumar Agarwal)

All Officers and Staff of the Central Board of Indirect Taxes & Customs.

संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs

03 मार्च, 2025

DO No. 09/News Letter/CH(IC)/2025

प्रिय सहकर्मी ,

बोर्ड ने उन ज्ञापनों को ध्यान में लिया है जो यह उजागर करती हैं कि कुछ अधिकृत कूरियर KYC (Know Your Customer) अनुपालन के लिए बोर्ड के सर्कुलरों में निर्धारित दस्तावेजों से अधिक दस्तावेजों की मांग कर रहे हैं, विशेष रूप से व्यक्तिगत आयातकों/निर्यातकों के मामले में। व्यक्तियों द्वारा दस्तावेजों, उपहारों, सैम्पल्स, या कम मूल्य के शुल्क के योग्य कन्साइनमेंटस (CIF मूल्य जिनका ₹50,000 तक है) आयात करते समय अनुपालन को सुगम बनाने के लिए, बोर्ड ने यह स्पष्ट किया है कि यदि डिलीवरी पता KYC के लिए प्रदान किए गए पहचान प्रमाण से भिन्न है, तो कूरियर कंपनियों द्वारा डिलीवरी के समय डिलीवरी पते को रिकॉर्ड करना पते के प्रमाण के रूप में पर्याप्त होगा। सभी फील्ड फोर्मेशन्स को यह निर्देश दिया गया है कि वे अपनी अधिकारिक क्षेत्राधिकार में आने वाले अधिकृत कूरियर को KYC प्रावधानों का कड़ाई से पालन करने के लिए सचेत करें, ताकि व्यक्तियों के लिए सुगम और बिना किसी परेशानी के क्लीयरेंस सुनिश्चित हो सके।

पिछले सप्ताह, NACIN, पालसमुद्रम में UNSCR 1540 और स्ट्रेटेजिक ट्रेड कंट्रोल्स पर तीन दिवसीय इंडिया-UNODA कैपेसिटी बिल्डिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह पहला ऐसा कार्यक्रम था, जिसे विदेश मंत्रालय, यूनाइटेड नेशन्स ऑफिस फॉर डिसआर्मामेण्ट अफेयर्स (UNODA), जिनेवा और NACIN द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था, जिसमें आठ एशिया-प्रशांत देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय अप्रसार संरचना के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी और क्षमता निर्माण में एनएसीआईएन की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालता है।

मुंबई कस्टम्स जोन III ने ड्रग पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपनी निरंतर कार्रवाई जारी रखते हुए CSMI एयरपोर्ट, मुंबई पर एक महत्वपूर्ण कार्यवाही की । खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, अधिकारियों ने एक यात्री को रोका, जो एन्तेब्बे युगांडा से आ रहा था। पूछताछ के दौरान, संदिग्ध ने घबराहट के संकेत दिखाए और बाद में यह स्वीकार किया कि उसने ड्रग पदार्थों से भरे कैप्सूल निगल लिए थे। चिकित्सा निगरानी में, कुल 84 कैप्सूल बरामद किए गए, जिनमें 1.022 किलोग्राम कोकीन था, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग ₹10 करोड़ थी। एक अन्य मामले में, बैंकॉक से आ रहे पांच यात्रियों को यात्री प्रोफाइलिंग और खुफिया जानकारी के आधार पर पकड़ा गया। इस ऑपरेशन के दौरान, कुल 56.26 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक वीड (कैनबिस), जिसकी अनुमानित अवैध बाजार कीमत लगभग ₹56 करोड़ थी, यात्रियों द्वारा लाए गए ट्रॉली बैग में छुपा हुआ पाया गया। ड्रग पदार्थों की तस्करी के खिलाफ शानदार प्रयास!

DRI गांधीनगर रीजनल यूनिट के अधिकारियों ने एक बड़े ओवरवैल्यूएशन और ट्रेड आधारित मनी लॉन्डरिंग (TBML) मामले का पर्दाफाश किया, जिसमें थाईलैंड से मुंद्रा पोर्ट पर आयातित "*रेडीमेड गारमेंट्स शॉल्स*" घोषित एक कन्साइनमेंट शामिल था। विशिष्ट जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, DRI अधिकारियों ने एक कन्साइनमेंट को रोका, जो एक वेयरहाउसिंग बिल ऑफ एंट्री के तहत था, जिसे तीसरे देश में पुनः निर्यात करने के लिए दाखिल किया गया था। जांच के दौरान, सामान को कम गुणवत्ता वाली महिलाओं की स्टोल्स और स्कार्फ के रूप में पाया गया, जिनका वास्तविक मूल्य केवल ₹32.27 लाख था, जो कि घोषित मूल्य ₹38.17 करोड़ से काफी कम था। बाद में जांच से पता चला कि इम्पोर्ट कंपनी का कोई वास्तविक व्यापारिक ऑपरेशन्स नहीं था और इसे भारत से धन निकालने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। कार्यप्रणाली में विदेशी आपूर्तिकर्ताओं के साथ मिलकर कम मूल्य वाले माल को अत्यधिक बढ़ी हुई कीमतों पर आयात करना, वेयरहाउसिंग बिल ऑफ एंट्री दाखिल करना ताकि ड्यूटी भुगतान से बचा जा सके, और फिर बिना विदेशी मुद्रा प्राप्त किए माल का पुनः निर्यात करना शामिल था। उत्कृष्ट कार्य!

पिछले महीने सीबीआईसी के (प्र.) मुख्य आयुक्त/महानिदेशक स्तर के कुछ वरिष्ठ अधिकारी सेवानिवृत्त हुए— श्रीमती बी.वी. शिवनागा कुमारी, डॉ. बलबीर सिंह खत्रा, श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव और श्री एम. मैथ्यू जॉली । बोर्ड उनके विभाग में योगदान की सराहना करता है और उन्हें अच्छे स्वास्थ्य, खुशहाली और संतोषजनक सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं देता है। इसके अलावा, श्री सतेन्द्र विक्रम सिंह ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प चुना है और उन्हें कस्टम्स, एक्साइज और सर्विस टैक्स अपीलेट

ट्रिब्यूनल (CESTAT) के टेक्निकल सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। बोर्ड उन्हें इस उपयुक्त नियुक्ति पर बधाई देता है और उनके नए कार्यकाल में सफलता और समृद्धि की शुभकामनाएं देता है।

यह भारी मन के साथ सूचित करता हूं कि श्री महेंद्र रंगा, जयपुर जोन के प्रधान मुख्य आयुक्त का असमय निधन हो गया। श्री रंगा एक साहसी, अत्यंत लोकप्रिय अधिकारी थे जो अपनी स्पष्टवादिता, सुव्यवहार और जीवंत व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे, तथा उन्होंने उन सभी लोगों पर अमिट छाप छोड़ी जिन्हें उनके साथ काम करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उनका अचानक निधन विभाग तथा उन अनगिनत सहकर्मियों और मित्रों के लिए भारी क्षति है जिनके जीवन को उन्होंने प्रभावित किया था। इस कठिन समय में, विभाग उनके परिवार और दोस्तों के साथ एकजुटता से खड़ा है और उन्हें शक्ति और सांत्वना प्रदान करता है। उनकी पवित्र आत्मा को शांति मिले। *ओम शांति*।

अगले सप्ताह तक ।

भवदीय,

संजय कुमार

(संजय कुमार अग्रवाल)

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के सभी अधिकारी और कर्मचारीगण।